**सामाजिक मनोविज्ञान का क्षेत्र-विस्तार (Scope of Social Psychology)**

सामाजिक मनोविज्ञान (Social Psychology) वह अनुशासन है जो यह समझने का प्रयास करता है कि **व्यक्ति के विचार (cognition), भावनाएँ (affect) और व्यवहार (behavior) दूसरे लोगों की वास्तविक, कल्पित या निहित उपस्थिति से किस प्रकार प्रभावित होते हैं**। इसका क्षेत्र-विस्तार बहुआयामी है—व्यक्तिगत मन (psyche) से लेकर समूह और सांस्कृतिक संरचनाओं तक। नीचे इसके प्रमुख आयाम प्रस्तुत हैं:

| **क्रम** | **प्रमुख क्षेत्र** | **संक्षिप्त विवरण / उदाहरण** |
| --- | --- | --- |
| 1 | **सामाजिक संज्ञान (Social Cognition)** | • कैसी मानसिक प्रक्रियाएँ (धारणाएँ, स्मृति, निर्णय) यह नियंत्रित करती हैं कि हम दूसरों को कैसे देखते-समझते हैं। • *स्टीरियोटाइप* बनना, *ह्यूरिस्टिक* का प्रयोग, *अभिप्राय आरोपण* (attribution) की त्रुटियाँ। |
| 2 | **दृष्टिकोण और मूल्य (Attitudes & Values)** | • दृष्टिकोण की रचना, परिवर्तन और स्थायित्व—*केंद्रित मार्ग* बनाम *परिधीय मार्ग* (Elaboration Likelihood Model)।• मूल्य निर्माण, मानदंड (norms) और जनमत (public opinion)। |
| 3 | **समूह गतिकी (Group Dynamics)** | • समूह-निर्णय, नेतृत्व प्रकार, भूमिकाएँ (roles), *समूह-चयन* (groupthink)।• कार्य कुशलता बनाम सामाजिक आलस्य (social loafing)। |
| 4 | **अनुपालन, आज्ञापालन व मनोमंथन (Conformity, Obedience & Persuasion)** | • आस्च के अनुरूपता प्रयोग (Asch).• मिलग्राम का आज्ञापालन अध्ययन (Milgram).• मास और सोशल मीडिया द्वारा मनोमंथन-रणनीतियाँ। |
| 5 | **अंतर-व्यक्तीय आकर्षण व संबंध (Interpersonal Attraction & Relationships)** | • समीपता, समानता, पारस्परिकता नियम।• प्रेम के त्रि-आयामी मॉडल (स्ट्रेनबर्ग), संबंध-संतुष्टि, टूटना। |
| 6 | **प्रत्यागमन व आक्रामकता (Prosocial Behavior & Aggression)** | • मदद करने के कारक—साक्षी-अवसाद (bystander effect), सहानुभूति-अनुभव।• आक्रामकता के जैविक, मनोवैज्ञानिक व सामाजिक निर्धारक। |
| 7 | **पहचान, स्व-अवधारणा व आत्म-सम्मान (Self & Identity)** | • सामाजिक पहचान सिद्धांत (Tajfel & Turner).• आत्म-प्रस्तुतीकरण, आत्म-विनियमन, स्व-विस्तार (self-expansion)। |
| 8 | **पूर्वाग्रह, भेदभाव व अंतःसमूह-सम्बन्ध (Prejudice & Intergroup Relations)** | • जाति, लिंग, धर्म इत्यादि आधारित पक्षपात।• संपर्क परिकल्पना (contact hypothesis), सामाजिक प्रभुत्व सिद्धांत। |
| 9 | **संस्कृति व सामाजिकरण (Culture & Socialization)** | • व्यक्तिगत (individualistic) बनाम सामूहिक (collectivistic) संस्कृतियाँ।• सामाजिकरण एजेंट—परिवार, विद्यालय, मीडिया। |
| 10 | **स्वास्थ्य, पर्यावरण व संगठन में अनुप्रयोग (Applied Domains)** | • **स्वास्थ्य**—टीकाकरण, एचआईवी रोकथाम में बर्ताव परिवर्तन।• **पर्यावरण**—हरित व्यवहार, टिकाऊ खपत।• **संगठन**—टीमवर्क, नेतृत्व विकास, ग्राहक व्यवहार। |
| 11 | **न्याय एवं कानूनी मनोविज्ञान (Legal & Forensic)** | • गवाही की विश्वसनीयता, जूरी निर्णय, अपराधी प्रोफ़ाइलिंग। |
| 12 | **प्रौद्योगिकी व डिजिटल समाज (Cyber & Digital Society)** | • सोशल-मीडिया प्रभाव, ऑनलाइन पहचान, साइबर-दुर्व्यवहार, डिजिटल भीड़-मानसिकता। |

**उभरते क्षेत्र**

1. **सामाजिक न्यूरोसाइंस** – मस्तिष्क-इमेजिंग द्वारा सामाजिक प्रक्रियाओं का जैविक आधार।
2. **राजनीतिक सामाजिक-मनोविज्ञान** – मतदाता व्यवहार, राजनीतिक ध्रुवीकरण।
3. **जलवायु-मनोविज्ञान** – जलवायु परिवर्तन पर मानवीय प्रतिक्रिया व व्यवहार परिवर्तन रणनीतियाँ।
4. **आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स इंटरैक्शन** – मनुष्य-मशीन सामाजिकता, नैतिक प्रभाव।

**संक्षेप में**

**सामाजिक मनोविज्ञान का क्षेत्र-विस्तार अत्यन्त व्यापक है**—यह व्यक्ति और समाज के प्रतिच्छेदन पर उत्पन्न होने वाले लगभग हर प्रश्न को समाहित करता है। मौलिक सिद्धांतों (जैसे सामाजिक संज्ञान, पूर्वाग्रह) से लेकर व्यावहारिक अनुप्रयोगों (स्वास्थ्य, संगठन, पर्यावरण, कानून) तक, इसका उद्देश्य मनोवैज्ञानिक ज्ञान द्वारा सामाजिक समस्याओं को समझना, समाधान प्रस्तुत करना और मानव-कल्याण को आगे बढ़ाना है।